एक बार खाटू जी

तर्ज : त्रिलोकि रो नाथ जाट के रह गयो हाली जी

खाटू वाले हमें बुलाले
एक बर खाटू जी
म्है हां थारा टाबर म्हासे
दूर ना होवो जी सांवरा
म्हे हां थारा टाबर म्हासे दुर ना होवो जी

खाटू में है बेठ्यो साँवरो
दोनू हाथ लुटाव जी
मन कि इच्छा पुरी होवे
सारा कष्ट मिटाव जी
जो भी इनकी शरण मे आवे
हो जावे इनका जी
म्है हां थारा टाबर म्हासे.....

घना दिना स्यू कोड करां हा
दर्शन करबा आस्यां जी
मांगन ताईं श्याम धणी से
म्हे मंदिर म आस्यां जी
रूप सलोणो देख्यां पैली
कुछ ना सुझे जी
म्हे हां थारा टाबर म्हासे.....

"सीमा"की है विनती थास्यूं
अब तो मने बुलाओ जी
सब भगतां न दर्शन दिया
मने भी थे देवो जी
दिल से पुकारू म भी थाने
जल्दी बूलाओ जी
म्हे हां थारा टाबर म्हासे
दूर ना होवो जी
सांवरा म्हे हां थारा टाबर म्हासे
दुर ना होवो जी

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18458/title/ek-baar-khatu-ji

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |